जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 148
दिनांक 13.09.2023

रिमोट सेंसिंग, ड्रोन जैसी नवीनतम तकनीक, किसानों की उत्तरोत्तर उन्नति में सहायक– इंजी. शिवानंद राय

कृषि इंजीनियर्स का 35वां राष्ट्रीय सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

ओरल एवं पोस्टर प्रस्तुति हेतु अवॉर्ड से सम्मानित हुये प्रतिभागी

जबलपुर 13 सितम्बर, 2023। दो दिवसीय कृषि अभियंताओं का 35वां राष्ट्रीय सम्मेलन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का शानदार समापन, सेवानिवृत्त इजी. ऑफ चीफ झारखंड इंजी. शिवानंद राय के मुख्यआतिथ्य में एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे की अध्यक्षता में किया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के जबलपुर लोकल सेन्टर एवं जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (छ।भ्च्) के संयुक्त तत्वाधान में ''कृषि और बागवानी में प्रगति के लिये उभरती प्रौद्योगिकियां'' विषय पर सेमीनार आयोजित किया गया था।

दो दिवसीय सम्मेलन के समापन अवसर पर मुख्यअतिथि की आसंदी से इंजी. शिवानंद राय ने कहा कि देश के कोने–कोने से आएं इंजीनियर्स के लिये इस तरह के राष्ट्रीय सेमीनार मील का पतथर साबित होंगे। आयोजकों ने बड़ी ही मेहनत से यह कार्यक्रम आयोजित किया एवं सभी तकनीकी सत्रों में शोध से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया गया ताकि भविष्य में रिमोट सेंसिंग, ड्रोन या फिर मशीनरी में कृषि के लिये नई–नई तकनीक का समावेश हो एवं वर्तमान में किसान इसका कैसे इस्तेमाल करें, ताकि उनकों अधिक फायदा हो। ऐसे विभिन्न बिंदुओं पर इंजीनियर्स ने चर्चा की, और भविष्य की चुनौतियों एवं समाधान को लेकर गहन मंथन किया।

अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि दो दिवसीय कृषि इंजीनियरों द्वारा आयोजित इस अति महत्वपूर्ण सेमीनार से हमारे छात्र–छात्राओं एवं तकनीकी स्टॉफ नई–नई शोध की जानकारी एवं नवीनतम कार्यो को करने के लिये प्रेरणा प्राप्त हुई। इस दौरान प्रस्तुत किये गये शोध के विभिन्न सारांश का सही दिशा में चयनित कर महत्वपूर्ण सिफारिश को पॉलिशी मेकर, रिसर्च एवं कृषक फ्रेंडली बहुमूल्य एवं उपयोगी बातों को सहज एवं सरल भाषा में एक स्थान पर प्रस्तुत करें ताकि इसका व्यापक लाभ प्राप्त किया जा सकें।

अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से हमारे इंजीनियरों द्वारा तैयार की गई नई–नई तकनीक और मशीनों के उपयोग से कृषि में एक बड़ा मुकाम हासिल हो सकेंगा। इंजीनियर्स के सम्मेलन में उद्यानिकी से लेकर अन्य कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र किस तरह से कार्य करने की आवश्यकता है, ऐसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई है, और कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जायेगा। संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला ने कहा कि इस इंजीनियर्स के सेमीनार आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुये सभी को बधाई दी।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार के संबंध में संयुक्त आयोजक सचिव डॉ. राजेश गुप्ता ने संक्षेप में जानकारी प्रदान की और बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से वक्ताओं द्वारा बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई है। सभी कृषि इंजीनियर्स किसानों के साथ मिलकर कार्य करेंगे, जिससे भविष्य की चुनौतियों का समाधान हो सकेंगा। आपने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया जिन्होंने बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। साथ ही बताया कि इस कार्यक्रम में 5 यंग इंजीनियर्स साइंटिस्ट अवार्ड सहित करीब 24 अवार्ड प्रदान किये गये। 4 सत्र ओरल एवं पोस्टर के माध्यम से आयोजित हुये सभी शोधार्थी ने अलग–अलग एवं महत्वपूर्ण शोध कार्यो की प्रस्तुति दी। 150 शोध पत्रों का प्रस्तुतिकरण हुआ। इस सेमीनार में देश के सभी प्रदेशों से लगभग 300 प्रतिभागियों के भाग लिया। जिसमें सुदूर उत्तर में जम्मू कश्मीर, पश्चिम दिल्ली, हरियाणा, पूर्व में गुजरात, पश्चिम महाराष्ट्र में बंगाल, उड़ीसा, दक्षिण में केरला, कर्नाटक, तमिलनाडू के साथ केन्द्र में छत्तीसगढ़, राजस्थान तथा मध्यप्रदेश के प्रतिभागियों की उपस्थिति रही।

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

इस दौरान मंचासीन अतिथियों द्वारा ओरल एवं पोस्टर प्रजेंटेशन करने वाले प्रतिभागियों को विभिन्न सत्रों में प्रमाण पत्र एवं पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।

समापन कार्यक्रम का संचालन नाहेप प्रमुख एवं सहसंयोजक डॉ. आर.के. नेमा और आभार प्रदर्शन आयोजक सचिव इंजी. जे.पी. पाराशर द्वारा किया गया।

अवसर पर अधिष्ठता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, संचालक संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर के अध्यक्ष इंजी. शिवानंद राय, इंजी. प्रकाश चंद्र दुबे, आयोजक सचिव इंजी. जे.पी. पाराशर, इंजी. संजय कुमार मेहता, इंजी. राजेश गुप्ता, डॉ. आर.के. नेमा आदि मंचासीन रहे।

समापन अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. मोहन सिंह, डॉ. ए.के. राय, डॉ. एम.के. अवस्थी, डॉ. भारती दास, डॉ. अजय गुप्ता, डॉ. मनीष पटेल, डॉ. वाय.के. तिवारी, डॉ.सी.बी. एब्रॉल, डॉ. शैलेष शर्मा, डॉ. सौरभ नेमा, डॉ. अखिलेश तिवारी, आईपीआरओ डॉ. शेखर सिंह बघेल सहित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के प्राध्यापक, वैज्ञानिक,कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं की उपस्थिति रही।